डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,

औरंगाबाद -४३१००४

पाठ्यक्रम

बी.ए. द्वितीय वर्ष

(द्वितीय भाषा : एवं ऐच्छिक हिंदी

सत्र तृतीय -चतुर्थ)

Hindi

जून २०१४ से क्रियान्वित

(Effect from June -२०१४ & onwards)

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

	तृतीय सत्र
	द्वितीय भाषा - हिंदी
प्रश्नपत्र -III	:बी.ए.: सामान्य हिंदी -३
	ऐच्छिक हिंदी
प्रश्नपत्र -V	:कथेत्तर गद्य साहित्य
प्रश्नपत्र-VI	:प्रयोजनमूलक हिंदी- १
	चतुर्थ सत्र
	द्वितीय भाषा- हिंदी
प्रश्नपत्र -IV	:बी.ए.: सामान्य हिंदी -४
	ऐच्छिक हिंदी
प्रश्नपत्र -VII	:आधुनिक हिंदी कविता
प्रश्नपत्र -VIII	:प्रयोजनमूलक हिंदी -२

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. द्वितीय वर्ष : द्वितीय भाषा (SL. Hindi)
प्रश्नपत्र -III सामान्य हिंदी :३
तृतीय सत्र - (Semister -III)
सत्र पद्धति २०१४ से लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार
२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३) अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक माध्यमों का परिचय

अध्ययन -अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति
२) लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि लिए अभ्यास
३) दृक-श्रव्य माध्यम का प्रयोग

पाठ्यपुस्तक :

अ.गद्य के विविध आयाम, संपा.-प्रो.जयमोहन एम.एस., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

- **पाठ्यक्रम में समाविष्ट रचनाएँ**

१) आत्मवृत्त : मेरा जीवन
२) रेखाचित्र- नीलकंठ मोर
३) संस्मरण -कमला
४) निबंध- शिरीष के फुल
५) यात्रावृत्त - चीडो पर चाँदनी

आ. प्रयोजनमूलक हिंदी

१) प्रयोजनमूलक भाषा
अ) भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व
आ) भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार्य
इ) वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिदी भाषा का महत्त्व
२) भाषा शिक्षण : स्वरूप एवं प्रक्रिया
अ) भाषा शिक्षण की प्रक्रिया,

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

आ) भाषा कौशल

१. श्रवण कौशल　　२. भाषण कौशल

३. वाचन कौशल　　४. लेखन कौशन

३) व्यावसायिक हिन्दी

अ) वाणिज्य व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) वाणिज्य व्यापार के साधन

इ) वाणिज्य व्यापार और भाषिक प्रकार्य

ई) वाणिज्य-व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ

उ) व्यावसायिक पत्र लेखन

४) निबंध लेखन :

अ) निबंध : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) निबंध लेखन : साहित्यिक / सामाजिक/ समसामायिक समस्या / वैज्ञानिक विषय

संदर्भ ग्रंथ :

१) साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी

२) हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

३) हिंदी का गद्य पर्व : डॉ. नामवर सिंह

४) हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के

५) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

कुल अंक -५०

प्र.१	'गद्य के विविध आयाम' पर ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित	१०
प्र.२	'गद्य के विविध आयाम' पर विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.३	प्रयोजनमूलक हिन्दी के पाठ्यांश पर विकल्प सहित दीर्घोतरी प्रश्न	१५
प्र.४	टिप्पणी लिखिए	
	अ) प्रयोजन मूलक हिन्दीं के पाठ्यांश पर विकल्प सहित	०५
	आ) प्रयोजनूलक हिन्दी के पाठ्यांश पर विकल्प सहित	०५

प्रभाव

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए.द्वितीयः द्वितीय भाषा

प्रश्नपत्र -IV सामान्य हिंदी :४

चतुर्थ सत्र (Semister -IV)

सत्र पद्धति २०१४ लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) भाषा प्राद्योगिकी - विज्ञापन कला व ज्ञान

४) अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक माध्यमों का परिचय

अध्ययन- अध्यापन प्रकिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन व पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास

३) दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

पाठ्य - पुस्तक: गद्य के विविध आयाम

संपा. प्रो. जयमोहन एम.एस., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

- **पाठ्यक्रम समाविष्ट रचनाएँ**

१) डायरी- स्त्री घर

२) व्यंग्य - कर कमल हो गये

३) रिपोर्ताज - जहाँ आकाश नहीं दिखाई देता.

४) निबंध- कुरीति तोंडों, परिवार नहीं

५) जीवनी - स्वामी दयानंद

प्रयोजनमूलक हिन्दी

१) मीडिया लेखन -

अ.जनसंचार माध्यम : विविध रूप

आ. समाचार लेखन

इ. रेडिओ वार्ता लेखन

ई. फीचर लेखन

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

२) वैज्ञानिक, तकनीकी हिन्दी

अ. वैज्ञानिक, तकनीकी लेखन का सरूप एवं विशेषताएँ

आ. वैज्ञानिक लेखन में पारिभाषिक शब्दावली की भूमिका

१) पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण : सिद्धान्त एवं प्रयोग

२) वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली (परिशिष्ट -अ)

३) वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद का स्वरूप

४) वैज्ञानिक तकनीकी अनुवाद व्यवहार

३) अशुद्धि शोधन

अ.शब्द अशुद्धि

आ. वाक्य अशुद्धि

इ. मुद्रित शोधन

४. अनुवाद

अ) बैंकिग अनुवाद

आ) मीडिया अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

१) साहित्य विधाओं की प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी

२) हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

३) हिंदी का गद्य पर्व : डॉ. नामवर सिंह

४) हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के

५) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सादंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

कुल अंक -५०

प्र.१	'गद्य के विविध आयाम' पर ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित	१०
प्र.२	'गद्य के विविध आयाम' पर विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.३	प्रयोजनमूलक हिन्दी के पाठ्यांश पर विकल्प सहित दीर्घोतरी प्रश्न	१५
प्र.४	टिप्पणी लिखिए :	
	अ) प्रयोजनमूलक हिन्दी के पाठ्यांश पर विकल्प सहित	०५
	आ) प्रयोजनमूलक हिन्दी के पाठ्यांश पर विकल्प सहित	०५

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. द्वितीय: (ऐच्छिक हिन्दी)
प्रश्नपत्र -V कथेत्तर गद्य साहित्य
तृतीय सत्र (Semister -III)
सत्र पद्धति २०१४ लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची में वृद्धि
२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३) हिन्दी कथेत्तर गद्य संवेदना की परम्परा का परिचय

अध्ययन- अध्यापन प्रकिया

१) व्याख्यान पद्धति
२) लेखन पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास
३) दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

पाठ्य - पुस्तक:

१) **गद्य प्रभा** - संपा. आलोक गुप्ता, राज्यपाल एण्ड सन्स्, नयी दिल्ली
२) **गद्य गौरव** - संपा. डॉ.ई.रा. स्वामी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१) हिंदी गद्य का परिप्रेक्ष्य - डॉ. सत्येंद्र
२) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार : डॉ. विनोद
३) यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास डॉ. सुरेंद्र माथुर
४) हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र
५) हिंदी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य : कमलेश सिंह

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

कुल अंक ८०

प्र.१	'गद्य प्रभा' की रचनाओं की ससंदर्भ व्याख्या विकल्प के साथ	९०
प्र.२	'गद्य प्रभा' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	१५
प्र.३	'गद्य गौरव' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	१५
प्र.४	टिप्पणियाँ लिखिए	
	अ) 'गद्य प्रभा' पर विकल्प के साथ	
	आ) 'गद्य गौरव' पर विकल्प के साथ	१५

[illegible] [illegible] अध्ययन मंडल, [illegible]
[illegible] महाविद्यालय
[illegible] रोड, औरंगाबाद -431004

बी.ए. द्वितीय वर्ष : (ऐच्छिक हिन्दी)
प्रश्नपत्र -VI प्रयोजनमूलक हिन्दी -I
तृतीय सत्र (Semester -III)
सत्र पद्धति २०१४ लागू

उद्देश्य :

१) हिन्दी भाषा के विविध रूपों का परिचय
२) राजभाषा हिन्दी के विभिन्न पहलुओं का परिचय
३) प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय

अध्ययन- अध्यापन प्रकिया

१) व्याख्यान पद्धति
२) कार्यशाला
३) सर्वेक्षण / निरीक्षण
४) दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

पाठ्य - पुस्तक:

१) हिंदी भाषा : स्वरूप एवं विकास
   अ. हिन्दी नामकरण एवं विभिन्न रूप
   आ.भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक सामान्य परिचय
   इ. हिन्दी भाषा : क्रमिक विकास
   ई. हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य
२) हिन्दी भाषा का मानकीकरण
   अ.मानक भाषा : संकल्पना एवं स्वरूप
   आ. भाषा मानकीकरण की प्रक्रिया एवं पद्धति
   इ.मानक भाषा के लक्षण एवं विशेषताएँ
   ई.मानक हिंदी : स्वरूपगत लक्षण एवं विशेषताएँ
   उ. मानक हिन्दी : संरचनात्मक लक्षण एवं विशेषताएँ
   ऊ. मानक हिन्दी की विकास यात्रा

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

३) देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास

अ.भाषा और लिपि

आ.लिपि : तात्पर्य और विकास

इ. देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास

ई. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

उ. इलेक्ट्रानिक माध्यम और देवनागरी लिपि

४) प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं विशेषताएँ

अ.प्रयोजनमूलक हिंदी : तात्पर्य एवं विशेषताएँ

आ.प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरूपगत विशेषताएँ

इ. प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोगक्षेत्र एवं प्रयुक्तियाँ

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : महेन्द्रसिंह राणा

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे

३. प्रयोजनमूलक हिदी : डॉ. माधव सोनटक्के

४. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख

५. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी - कृष्णकुमार गोस्वामी

६. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप - डॉ. माधव सोनटक्के

७. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी - डॉ. सुकुमार भंडारे

प्राध्याय

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

		कुल अंक -५०
प्र.१	विकल्प के साथ लघुत्तरी प्रश्न	१०
प्र.२	विकल्प के साथ व दोर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.३	विकल्प के साथ दोर्घोत्तरी प्रश्न	१५
प्र.४	टिप्पणियाँ लिखिए	
	अ) विकल्प के साथ टिप्पणी	०५
	आ) विकल्प के साथ टिप्पणी	०५

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. द्वितीय वर्ष : (ऐच्छिक हिन्दी)
प्रश्नपत्र -VII आधुनिक हिन्दी कविता -I
चतुर्थ सत्र (Semester -IV)
सत्र पद्धति २०१४ लागू

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिचय
२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३) हिन्दी पद्य संवेदना की परम्परा से परिचय

अध्ययन- अध्यापन प्रकिया

१) व्याख्यान पद्धति
२) लेखन व पठन कौशल वृद्धि के लिए अभ्यास
३) दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

पाठ्य - पुस्तके:

१) **चुनी हुई हिन्दी कविताएँ -** संपा. गोविन्द प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
२) **भूमिजा (खण्ड काव्य)** नागार्जुन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१) नये प्रतिनिधि कवि : डॉ. हरिचरण शर्मा
२) लंबी कविता का रचना विधान - सं. नरेंद्र मोहन
३) लंबी कविताएँ : वैचारिक सरोकार : डॉ. बलदेव बंशी
४) समकालीन हिंदी कविता की संवेदना : डॉ. गोविंद रजनीश
५) नागार्जुन का काव्य ; एक नव मूल्यांकन - जे.बी. ओझा

प्राचार्य
चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारुप तथा अंक विभाजन

	कुल अंक - ५०
प्र. १. 'चुनी हुई लंबी कविताओं' से ससंदर्भ व्याख्या विकल्प के साथ	१०
प्र. २. 'चुनी हुई लंबी कविता' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	१५
प्र. ३. 'भूमिजा' पर दोर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	१५
प्र. ४. टिप्पणियाँ लिखिए।	
अ. 'चुनी हुई लंबी कविता' पर विकल्प के साथ	०५
आ. 'भूमिजा' पर विकल्प के साथ	०५

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

बी.ए. द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक हिन्दी)

प्रश्नपत्र VIII प्रयोजनमूलक हिंदी - २

चतुर्थ सत्र (Semester - IV)

सत्र पद्धति २०१४ से लागू

उद्देश्य :

१. हिन्दी भाषा के विविध रुपों का परिचय

२. राजभाषा हिन्दी के विभिन्न पहलुओं का परिचय

३. प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय

अध्ययन - अध्यापन प्रक्रिया :

१. व्याख्यान पद्धति

२. कार्यशाला

३. सर्वेक्षण / निरीक्षण

४. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

प्रयोजनमूलक हिन्दी - २

१. पारिभाषिक शब्दावली

अ. पारिभाषिक शब्दावली : : तात्पर्य, परिभाषा एवं सामान्य विशेषताएँ

आ. पारिभाषिक शब्दावली : निर्धारण के सिद्धान्त

इ. पारिभाषिक शब्दावली : विविध दृष्टिकोण एवं प्रयास :

ई. भारतीय पारिभाषिक शब्दावली : समस्याएँ एवं समाधान

उ. हिन्दी शब्द सम्पदा

ऊ. हिन्दी पारिभाषिक शब्द (परिशिष्ट - आ)

२. राजभाषा हिन्दी

अ. राजभाषा और राष्ट्रभाषा : अवधारणा एवं स्वरुप

आ. राजभाषा और राष्ट्रभाषा हिन्दी : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

इ. राजभाषा हिन्दी : संविधानिक प्रावधान

ई. राजभाषा हिन्दी : प्रचार एवं प्रसार : संस्थागत कार्य

उ. राष्ट्रभाषा हिन्दी : प्रचार एवं प्रसार वैयक्तिक कार्य : म. गांधी, नेताजी सुभाषचद्र बोस, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : लेखन पक्ष

अ. प्रारुपण : सिद्धान्त और व्यवहार

आ. टिप्पण : सिद्धान्त और व्यवहार

इ. संक्षेपण : सिद्धान्त और व्यवहार

ई. प्रतिवेदन : सिद्धान्त और व्यवहार

उ. समाचार : सिद्धात्न और व्यवहार

४. प्रयोजनमूलक अनुवाद

अ. अनुवाद : स्वरुप एवं प्रक्रिया

आ. कार्यालयी अनुवाद : स्वरुप एवं समस्याएँ

इ. वैज्ञानिक अनुवाद : स्वरुप एवं समस्याएँ

ई. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद : स्वरुप एवं समस्याएँ

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : महेन्द्रसिंह राणा

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे

३. प्रयोजनमूलक हिदी : डॉ. माधव सोनटक्के

४. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - ड़ॉ. अंबादास देशमुख

५. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी - कृष्णकुमार गोस्वामी

६. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप - डॉ. माधव सोनटक्के

७. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी - डॉ. सुकुमार भंडारे

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर

कला वरिष्ठ महाविद्यालय

सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008

प्रश्नपत्र का प्रारुप तथा अंक विभाजन

	कुल अंक - ५०
प्र. १. विकल्प के साथ लघुत्तरी प्रश्न	१०
प्र. २. विकल्प के साथ दीर्घोत्तर की प्रश्न,	१५
प्र. ३. विकल्प के साथ दीर्घोत्तर की प्रश्न	१५
प्र. ४. टिप्पणियाँ लिखिए।	
अ. विकल्प के साथ टिप्पणी	०५
आ. विकल्प के साथ टिप्पणी	०५

प्राचार्य

चेतना शिक्षण प्रसारक मंडळ, वैजापूर
कला वरिष्ठ महाविद्यालय
सावंगी बाय पास रोड, औरंगाबाद -431008